

राजनीतिक संस्कृति के प्रकार

(Types of Political culture)

राजनीतिक संस्कृति हो प्रकार की हो सकती है।

① परम्परागत राजनीतिक संस्कृति (Traditional Political culture)

② आधुनिक राजनीतिक संस्कृति (Modern Political culture)
परंतु परम्परा व आधुनिकता के आपसी संबंध के बीच राजनीतिक संस्कृति एक नये रूप में आविष्कार में आजाती है जिसे आ अभियन्ते राजनीतिक संस्कृति कहते हैं।

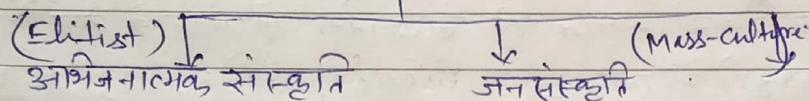
राजनीतिक संस्कृति के अनेक प्रकार हो सकते हैं।

① संख्या व शक्ति के अधार पर

② निन्तता व सातत्व की दृष्टि से

③ सहआगति के आधार पर

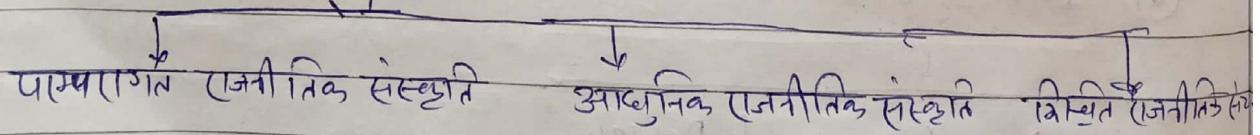
④ संख्या व शक्ति के आधार पर



① अभिजनात्मक संस्कृति (Elitist culture): अभिजनात्मक संस्कृति का अर्थ है कि प्रत्येक शासन में जिने-युने लोग ही सत्ता के वास्तविक धारक होते हैं। यह संस्कृति समाज में विशिष्ट कांग के हितों की पोषक व साथ-साथ जनसमाज के प्रति अपना दृष्टिकोण भी बनाए रखती है।

② जनसंस्कृति (Mass-culture): यह संस्कृति लोकतंत्रीय आस्थाओं को लम्हे दर है। यह जन-आस्था एवं ल्यनात्मक व्यक्तियों को धोला है। इसमें जनसमाज की उपेक्षा वही की जाती है कि प्रत्येक स्तर पर जनग की आवनाओं का ध्याल रखा जाता है।

③ निन्तता या सातत्व की दृष्टि से



(Traditional Political culture) (Modern Political culture) (Mixed Political Culture)

- (i) प्राच्यराजनीतिक संस्कृति: इसका मुख्य जनतान्य से होता है।
- (ii) आधुनिक राजनीतिक संस्कृति का मुख्य विशेषज्ञता शास्त्रों से होता है।
- (iii) क्रियिल राजनीतिक संस्कृति प्राच्या और आधुनिकता के बीच संघर्ष की देखती है। विटेन तथा आठ वर्षों में अधिक संस्कृति पासी जाती है क्योंकि वहाँ प्राच्या और आधुनिकता का सुन्दर विचार होता है। क्रियाशील देशों के राजनीतिक प्रकार की संस्कृति है। क्रामिक तथा व्यवस्था का जानना है। क्रियाशील राजनीतिक समाजों में एक राजनीतिक संस्कृति का आधार पर क्रामिक संवर्कन ने इसका कार्यकरा किया। जिसमें प्रत्येक राजनीतिक व्यवस्था में जनता सहभागिता वाहती है लेकिन व्यवस्थाओं में पूरी व सक्रिय राजनीतिक सहभागिता का होना आवश्यक नहीं है। सहभागिता के आधार पर राजनीतिक संस्कृति को तीन भागों में बांट सकते हैं।
- ③ सहभागिता के आधार पर: क्रामिक संवर्कन ने इसका कार्यकरा किया। जिसमें प्रत्येक राजनीतिक व्यवस्था में जनता सहभागिता वाहती है लेकिन व्यवस्थाओं में पूरी व सक्रिय राजनीतिक सहभागिता का होना आवश्यक नहीं है। सहभागिता के आधार पर राजनीतिक संस्कृति को तीन भागों में बांट सकते हैं।

राजनीतिक सहभागिता

संकीर्ण राजनीतिक संस्कृति प्राचीन-राजनीतिक संस्कृति सहभागी राजनीतिक संस्कृति
(Parochial political culture) (Subject-political culture) (Participatory political culture)

संकीर्ण राजनीतिक संस्कृति विकाशील तथा प्राच्यराजनीतिक समाजों में पायी जाती है। इसका प्रमुख कारण यह होता है कि इन समाजों में सभी श्रमिकोंमें शास्त्र वर्ग ज्ञान ही की जाती है। इसमें जनता राजनीति के प्रति ध्यान उदासीन रहती है। राजनीतिक व्यक्ति ही धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक शोर में अपनी श्रमिकों का निवारण करता है।

प्राचीन राजनीतिक संस्कृति का जन-ग उन समाजों में होता है जहाँ जनता राजनीति के प्रति अक्षय रहती है। शास्त्रीय आदेशों का पालन करती है। इस प्रकार की संस्कृति कभी कभी आदोलनों की जनक बन जाती है।

सुदभागी राजनीतिक संस्कृति के जनता को सहभागिता का प्रत अवसर किलता है। इस उल्लङ्घनी में जनता निर्देशों और नियमों पर बाधा बजर रखती है। प्रद विकासित देशों में पायी जाती है। इसमें राजनीतिक व्यवस्था के प्रति विश्वास बना रहता है। जनता छापने आवधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक होती है। इसे प्रजासंविधान राजनीतिक संस्कृति भी कहते हैं।

आजमद एवं वर्षा ने गोकुल ८५ से शीन प्रकार की राजनीतिक सेंस्ट्रॉटि
की चर्चा की।

संकीर्ण-पराव्यन (राजनीतिक सेंस्ट्रॉटि पार्टिप्रैट-सूदभागी)

संकीर्ण-सूदभागी

(Parochial-Political culture) (Subject-Participant) (Parochial-Participat
संकीर्ण-पराव्यन सेंस्ट्रॉटि मिस्ट्रॉटि प्रश्नों की होती है इसमें दो प्रकार
के राजनीतिक सेंस्ट्रॉटि देखने को मिलते हैं। कुछ प्राकृति जो राजनीति के
पुरे लगाव रखते हैं और कुछ ऐसे की होते हैं जिनकी आवश्यकता
नहीं होती है।

① पराव्यन-सूदभागी राजनीतिक सेंस्ट्रॉटि उन सुनाओं ने पार्टि जाती है।

जहाँ लोगों का राजनीतिक व्यवहार के प्रति लगाव होता है। इस
सेंस्ट्रॉटि का उदय राजनीतिक व्यवहार के सूदभागीलोगों के साथ हुआ।

② संकीर्ण-सूदभागी राजनीतिक सेंस्ट्रॉटि शैरासुक वर्ग वीजनता को प्रभावित
नहीं करता हल्लोंके जनरा की शासकीय नीतियों को प्रशावित देती है।
इसने जनरा की इच्छा का एरा ब्याल रखा जाता है।

③ गुणालेक स्वरूप के आवारपर राजनीतिक सेंस्ट्रॉटि को भास्तर
ने बार आगों के बारा है।

प्रोड या परिपक्व राजनीतिक सेंस्ट्रॉटि (Mature political culture)

④ विकसित राजनीतिक सेंस्ट्रॉटि (Developed political culture)

निम्न राजनीतिक सेंस्ट्रॉटि (Low political culture)

⑤ सम अव्यवस्थीय राजनीतिक सेंस्ट्रॉटि (Minimal political culture)

Dr. Umakant Paswan
Department of Political Science